

॥ दशावतारस्तोत्रम् ५ ॥

.. dashAvatArastotram 5 ..

sanskritdocuments.org

August 20, 2017

---

.. dashAvatArastotram 5 ..

॥ दशावतारस्तोत्रम् ५ ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : dashAvatArastotram 5  
File name : dashAvatArastotram5.itx  
Category : vishhnu, dashAvatAra  
Location : doc\_vishhnu  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com  
Proofread by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com  
Description-comments : Devi book stall, Kodumgallur, Kerala  
Source : Sthothra Rathnaakaram, edited by N. Bappuravu, 2010  
Latest update : August 6, 2016  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---


**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

August 20, 2017

*sanskritdocuments.org*

---



॥ दशावतारस्तोत्रम् ५ ॥

या त्वरा जलसञ्चारे या त्वरा वेदरक्षणे ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ १ ॥

या त्वरा मन्दरोद्धारे या त्वरामृतरक्षणे  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ २ ॥

या त्वरा क्रोडवेषस्य विधृतौ भूसमुद्धृतौ ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ३ ॥

या त्वरा चान्द्रमालायाः धारणे पोथरक्षणे ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ४ ॥

या त्वरा वटुवेषस्य धारणे बलिबन्धने ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ५ ॥

या त्वरा क्षत्रदलने या त्वरा मातृरक्षणे ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ६ ॥

या त्वरा कपिराजस्य पोषणे सेतुबन्धने  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ७ ॥

या त्वरा रक्षहने या त्वरा भ्रातृरक्षणे ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ८ ॥

या त्वरा गोपकन्यानां रक्षणे कंसमारणे ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ९ ॥

या त्वरा भैष्मिहरणे या त्वरा रुक्मिबन्धने ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ १० ॥

या त्वरा बौद्धसिद्धान्तकथने बौद्धमोहने ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ ११ ॥

या त्वरा तुरगारोहे या त्वरा म्लेच्छमारणे ।  
मय्यार्ते करुणामूर्ते सा त्वरा क्व गता हरे ॥ १२ ॥

सत्यव्रतार्यपुत्रेण भक्त्या कोनेरिणेरितम् ।

दशावतारस्तवकं पठन् मोक्षमवाप्नुयात् ॥ १३ ॥


इति कोनेरिणेरितं दशावतारस्तवकं समाप्तम् ॥

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

——  
.. dashAvatArastotram 5 ..

Searchable pdf was typeset using XeTeXgenerateactualtext feature of Xe<sub>La</sub>TeX 0.99996

on August 20, 2017

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

